

7.5.

Μνήμη τού εν ουρανῷ φανέντος σημείου τού Τιμίου Σταυρού,
ώρα τρίτη τῆς ἡμέρας, ἐπί Κωνσταντίου Βασιλέως, υιοῦ Κωνσταντίνου τοῦ Μεγάλου.

Κοιπομηνιάϊε να ηῆςὲ ἰβλῆσαγωγῆα ζηάμενῆα χερτηάγω κῆτὰ,
βο γράδῆ ἰεῤῥῆμῆ, ὦ εῖάγω λόβηαγω μῆετα προτῶαζένηαγω εβῆζάμη, δάκε δο εῖγῆα γορῆ ἔλεώηεῖα,
εβ ἦ γάεζ ἀνῆ, πρῆ αῤῥῆ κωηετῆητῆη, εῖηῆε βελῆκαγω κωηετῆητῆη:

8. *hlas* // *plag. 4th echos*

Ανήγγειλαν οι ουρανοί τήν δόξαν σου Κύριε

Byz

Am 129r (129), Dk 117v (238), Ott 149r (301), Trin 150r (150),
G355 251v (256), G260 112r (116), G261 103v (106), G262 136r (137), G265 114v (118), G270 99v (103)

Vi 131r (261), Sn1214 – (105+), Sn1217 – (122+)
Sn1219 – (111+)

Rus

S414 524v, S442 345v

Text

Εἰς τό Κυριε ἐκέκραξα, Δόξα... Ἦχος πλ. δ'

Ανήγγειλαν οἱ ουρανοὶ ^{a3 -c ?}
τήν δόξαν σου Κύριε, c/h3
τό φοβερὸν c/d
τοῦ Σταυροῦ σου σημείον. G3

καὶ ἡ γῆ ἅπασα G2
μετὰ φόβου προσεκύνησεν, a3
ἡμεῖς δὲ δοξολογούντες, G2
ευχαρίστως σοι βοῶμεν. G3

Θεὸς ὢν ἀπαθής, ^{h/c}
σαρκὶ παθεῖν δι' ἡμᾶς, c3
εκουσίως κατεδέξω, c3
~~θε~~ σῶσον λαόν**^c
ὄν περιεποιήσω ^h οικεῖω αἵματι. G3

Κοζβεѣтѣша нѣбѣ εὐλόγῳ τῷ σὸ, γῆν,
στράшноε κρѣтὰ τῷ σὸεγῶ зһάμεнїе.

Ἡ зεмиλὰ βεὶλ εἰο στράχομз ποκλονїеа,
мѣ же εὐβοελοѡвѡце, благодѣрнѡ тѣбѣ βοпїеμз:

бгѣ εἰή безстѣтєтєнз,
плѡтїю пострѣдѣтн зл нѣ εὐόлею прїάлз εἰή,
επαεὶ λόдн, εἰже стѣжлѣлз εἰή τῷ σὸεю κрѡвїю.

Prepis // Transcription

Ανήγγειλαν οι ουρανοί τήν δόξαν σου Κύριε

G265	
G262	
G261	
G260	
G355	
Am	
Dk	
Vi	
	Av- ήγ- γει- λαν οι ου- ρα- νοί τήν δό- ξαν σου Κύ- ρι- ε, *
S414/42	
	Βε_ στη_ σια_ ηε_ κε_ σα_ σλα_ βοψ_ τβο_ ιο_ γο_ σπο_ δι



G261



Am



G262



G260



G261



G355



Vi



τό φο-βε-ρόν του Σταυ-ρού σου ση-μεί-ον, *

S414/42



СТРА_ШЕ_НО_Е КРЕ_СТА_ТВО_Е_ ГО_ЗНА_МЕ_НИ_Е.

Am G261

Dk

G355

Ott

Vi

καί γή ά- πα- σα * με- τά φό- βου προσ-ε- κύ- νη- σεν, *
se e -do -ksa- sen

S414

S442

И ЗЕМ_ ЛА ВСА СТРА_ ХО_ МЕ ПО_ КЛО_ НИ_ ША_ СА_

tristem.

Ott

Dk

Am

Trin

G261

Vi

η- μεις δε δο- ξο- λο- γούν- τες, * ευ- χα- ρί- στως σοι βο- ώ- μεν*

S414/42

МЪИ ЖЕ СЛА_ ВО_ СЛО_ ВА_ ЦЕ БЛА_ ГО_ ДАР_ НО_ ТЕ БЪ_ ВО_ ПИ_ Ε_ ΜΟ_



G265 - . / > > ::) (> > : / > > > > > >



G262 - . / > > > > - / > > : / > > > > > >



Am - . / > > ::) (- / > > : / > > > > > >

Trin | . / > > ::) (- / > > : / > > > > > >



Dk - . / > > ::) (- / > > : / > > > > > >

Vi - . / > > > > > > : > > > > > > : / > > > > > >

Θε- ός ών α- πα- θής, σα-ρκί πα- θείν δι' η- μάς, *

S414/42 =+ = > > > > \ = > : > : > > > : \ =
βο_ γο_ ϩΗ_ ΚΕ_ ΣΤΡΑ_ ΣΤΕ_ ΝΟ_ ΠΛΟ_ ΤΗ_ ΙΟ_ ΠΟ_ ΣΤΡΑ_ ΔΑ_ ΤΗ



G265 :: - / > > > > > > > : / > > > > > > > > > > > > > > > > > >

G270 > > - / > > > > > > > : / > > > > > > > > > > > > > > > > > >



G355 - - / > > x > > > > > > > : / > > > > > > > > > > > > > > > > >



Am - / > > > > > > > : / > > > > > > > > > > > > > > > > > >

Ott - / > > > > > > > x > > > > > > > : / > > > > > > > > > > > > > > > > >

Dk - / > > > > > > > > > > > > > > : / > > > > > > > > > > > > > > > > >

Vi / > > > > > > > > x > > > > > > > : / > > > > > > > > > > > > > > > > >

εκ- ου- σί- ως κατ-ε- δέ- ξω* σώ- σον λα- όν,

S414/42 Σ > > > > > > > > : > > > > > > > > > > > > > > > > > > >
ζα_ η̣ι_ βο_ λε_ ιο_ πρη_ ια_ το.



G355

— . ٤ > > > ٤ / > > > > > > > > >

G262

— . ٤ > > > ٤ / > > > > > > > > >



Am

— . ٤ > > > — ٤ / > > > > > > > > >

G260

— . ٤ > > > — ٤ / > > > > > > > > >

Dk

— ٤ > > > — ٤ / > > > > > > > > >

Trin

— ٤ > > > — ٤ / > > > > > > > > >

Vi

— ٤ > > > — / > > > > > > > > >

όν πε- ρι- ε- ποι- ή- σω οι- κεί- ω αί- μα- τι. +

S414/42

٤ ٤ ٤ ٤ ٤ ٤ ٤ ٤ ٤ ٤
СПА_СН ЛЮ_ДН ІА_ЖЕ СО_ТЪ_ЖА СВО_ Ε_ ΙΟ ΚΡΟ_ ΒΗ_ ΙΟ.